वैदिक विश्वविद्यालय का भवन 45 करोड़ से अधिक की लागत से बनेगा

निर्माण कार्य प्रारंभ, उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने किया निरीक्षण

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

लक्ष्मणबाग परिसर से लगी भूमि में महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के भवन निर्माण का कार्य प्रारंभ हो गया है। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने निर्माण स्थल पहुंचकर कार्य का अवलोकन कर आवश्यक निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश भवन विकास निगम द्वारा 45.79 करोड़ रूपये की लागत से बनाए जा रहे विश्वविद्यालय भवन के प्रशासनिक ब्लॉक में सेमिनार हॉल के साथ ही ऑफिस, एकाउण्ट सेक्शन, प्लेसमेंट सेक्शन तथा रिकॉर्ड रूम का निर्माण कराया जाएगा। इसी प्रकार अकादमिक ब्लाक में 12 अध्ययन कक्ष, 4 प्रोफेसर कक्ष तथा एक कम्प्यूटर लैब का निर्माण किया जाएगा।

साथ ही 50 सीटर कन्या छात्रावास का निर्माण कार्य भी आरंभ हो गया है। विश्वविद्यालय में बालक छात्रावास का निर्माण भी कराया जाएगा। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने निरीक्षण के दौरान कार्ययोजना का समय-सीमा में कार्यों को पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर विन्ध्य विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. पंचूलाल प्रजापति, उप मुख्यमंत्री शुक्ल के प्रतिनिधि राजेश पाण्डेय सहित विभागीय अधिकारी तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सांदीपनि विद्यालय के छात्र आराध्य ने बढ़ाया प्रदेश का मान

अराध्य बने अंग्रेजी ओलंपियाड वर्ड पावर के राष्ट्रीय विजेता

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

भोपाल के सांदीपनि विद्यालय गोविंदपुरा के कक्षा 5वीं के छात्र मास्टर आराध्य पाराशर ने 'वर्ड पावर चैम्पियनशिप' में प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रदेश एवं जिले का गौरव बढ़ाया है। छात्र आराध्य की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. संजय गोयल तथा राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया है। इस अवसर पर प्रदेश ओलंपियाड प्रभारी डॉ. आर. पी. त्रिपाठी, सांदीपनि विद्यालय गोविंदपुरा की प्राचार्या डॉ. पूनम अवस्थी, शिक्षिका ऋतु सक्सेना एवं आराध्य के अभिभावक उपस्थित रहे।

विगत दिनों मुंबई में आयोजित 'वर्ड पावर चैम्पियनशिप' राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य स्तरीय विजेता विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिवर्ष तीन चरणों में जन शिक्षा केंद्र, जिला एवं राज्य स्तर पर किया जाता है। मध्यप्रदेश में इस प्रतियोगिता का संचालन राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा किया जाता है। राज्य स्तर पर चयनित विद्यार्थियों के बीच राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन आयोजक संस्था 'लीप फॉर वर्ड' द्वारा मेरिको एवं निहार शांति पाठशाला के सहयोग से किया जाता है। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 2 से 5 तक के विद्यार्थी भाग लेते हैं। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता विद्यार्थियों एवं उनके मार्गदर्शक शिक्षकों को प्रमाण-पत्र, ट्रॉली बैग, स्पीकर, स्पोर्ट्स किट सहित विभिन्न उपहार प्रदान कर सम्मानित किया जाता है।

राज्यपाल ने विश्व रेडक्रॉस दिवस पर प्रदान किए 'सेवा सम्मान'

रेडक्रॉस के उद्देश्य और सेवा कार्यों से लोगों को करें प्रेरित

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि दीन-दुखियों की सेवा, ईश्वर की सेवा का सशक्त माध्यम है। मानवता की सेवा ही प्रभु की सेवा है। अपनी शक्ति और सामर्थ्य के अनुसार ग़रीब, वंचित और ज़रूरतमंदों की हमेशा मदद करते रहे। उन्होंने कहा कि सेवा का दायरा बहुत विस्तृत है। रेडक्रॉस सदस्य दूरस्थ, ग्रामीण इलाकों जाकर जरूरतमंदों से मिले, उनकी समस्याओं को करीब से देखें, समझे और यथा संभव समाधान के आत्मीय प्रयास करें। हर सदस्य कम से कम 5 व्यक्तियों को रेडक्रॉस से जोड़े। राज्यपाल श्री पटेल ने रेडक्रॉस के सिद्धांतों, उद्देश्यों और कार्यों से जन-जन को प्रेरित करने का आह्वान किया। पीड़ित मानवता के प्रति रेडक्रॉस के संवेदनशील समर्पण से प्रेरणा लेने, वंचितों के उत्थान में सहभागी बनने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की युवाओं से अपील की। राज्यपाल पटेल शुक्रवार को विश्व रेडक्रॉस दिवस पर आयोजित 'सेवा सम्मान समारोह' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रेडक्रॉस के संस्थापक हेनरी ड्यू-नॉट के जन्म दिवस पर उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। समर्पित कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों और समाज सेवी संस्थाओं को सम्मानित किया। मानवता की सेवा कार्यों और प्रयासों के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सभी सम्मानित जनों को सम्पूर्ण समाज के सच्चे नायक और प्रेरणा स्रोत बताया। मध्यप्रदेश राज्य रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (मेपकास्ट) परिसर में किया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि विश्व रेडक्रॉस दिवस, मात्र एक दिवस का उत्सव नहीं, बल्कि मानवता, सेवा, करुणा और समर्पण की निरंतर प्रवाहित धारा का स्मरण है। युद्ध के मैदान में पीड़ा देख कर लिया गया संकल्प, आज पीड़ित मानवता की सेवा का वैश्विक आंदोलन बन गया है, जो हमें बताता है कि 'सेवा ही सर्वोच्च धर्म है।'

संस्कारों से संवारेंगे भविष्य, गर्भकाल से ही खुशहाल जीवन की नींव

डॉ. आरएच लता और भारतीय योगिनी टीम 'गर्भ संस्कार' के जरिए लाने जा रही बदलाव की पहल

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

बदलते समय में जहां विज्ञान और परंपरा का संगम नई संभावनाओं को जन्म दे रहा है, वहीं अब मातृत्व और शिशु जन्म को लेकर भी एक नई और सकारात्मक सोच आकार ले रही है। अब तक आमतौर पर यह माना जाता रहा है कि नवजात शिशु रोते हुए ही इस दुनिया में पहला कदम रखता है, लेकिन एक अनूठी पहल इस सोच को बदलने की दिशा में आगे बढ़ रही है, जहां लक्ष्य है कि शिशु मुस्कुराते हुए इस संसार में आएं। इस काम के लिए इंडियन योगिनी एसोसिएशन ने सेंटर इंडो लिलोइस डे योगा फ्रांस के संस्थापक निदेशक वीरेंद्र हरित के साथ संयुक्त रूप से अनुबंध किया है। यह संस्थान 40 सालों से इस पर कार्य कर रहा है। इनके यहां सभी बच्चे हंसते हुए पैदा होते हैं। इनके द्वारा 20 साल से लेकर अभी तक के कई बच्चे प्रत्यक्ष देखने को मिल जायेंगे। इस सकारात्मक और दूरदर्शी विचार को साकार करने की दिशा में भारतीय योगिनी संघ की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ आर एच लता और उनकी टीम सक्रिय रूप से इस पर कार्य कर रही है। डा आर एच लता ने बताया कि यह सोच यह पहल स्व. के.सी. सुदर्शन सर कार्यवाह आरएसएस की उस सोच से प्रेरित है, जिसमें उन्होंने गर्भावस्था के दौरान ही शिशु के समग्र विकास और सकारात्मक संस्कारों की आवश्यकता पर जोर दिया

संस्कार, संगीत और सकारात्मक ऊर्जा से बेहतर पीढ़ी के निर्माण का संकल्प

था। उन्होंने अपेक्षा रखी थी कि इस विषय पर मै अवश्य कार्य करूं। इस अभियान के तहत 'गर्भ संस्कार' को केंद्र में रखते हुए गर्भवती माताओं को मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास किया जाएगा। संगीत, ध्यान, योग, सकारात्मक विचार और संस्कार आधारित गतिविधियों के माध्यम से यह सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है कि गर्भ में पल रहा शिशु सकारात्मक ऊर्जा और शांति के वातावरण में विकसित हो। इस पहल में कई शोधार्थियो से भी सहयोग मिल रहा है, जो इस अवधारणा को व्यापक स्तर पर पहुंचाने का कार्य करेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि गर्भावस्था के दौरान मां की मानसिक स्थिति, सोच और वातावरण का सीधा प्रभाव शिशु पर पड़ता है। ऐसे में यदि इस अवधि को सकारात्मक और संतुलित बनाया जाए, तो आने वाली पीढ़ी अधिक स्वस्थ, संवेदनशील और खुशहाल हो सकती है। यह पहल केवल एक प्रयोग नहीं, बल्कि एक सामाजिक बदलाव की दिशा में उठाया गया सशक्त कदम है। इसका उद्देश्य केवल जन्म के क्षण को बदलना नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवन की नींव को मजबूत बनाना है। यदि यह प्रयास व्यापक स्तर पर सफल होता है, तो आने वाले समय में यह न केवल मातृत्व के अनुभव को और अधिक आनंदमय बनाएगा, बल्कि समाज को एक संतुलित, सकारात्मक और संस्कारित पीढ़ी भी देगा, जो मुस्कान के साथ जीवन की शुरुआत करेगी।

क्या है 'गर्भ संस्कार': डॉ लता के अनुसार, गर्भ संस्कार एक प्राचीन भारतीय अवधारणा है, जिसे आधुनिक समय में नये जीवन की प्रोग्रामिंग सेल कहते हैं जो हमारे ग्रंथों में सिद्ध हैं उन्हें वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ पुनः प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस प्रक्रिया के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को योग, ध्यान, सकारात्मक सोच, संगीत और संस्कार आधारित गतिविधियों से जोड़ा जाता है, ताकि गर्भ में पल रहे शिशु का समग्र मानसिक, भावनात्मक और बौद्धिक विकास हो सके। भारतीय योगिनी संघ द्वारा इस दिशा में सुनियोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य मातृत्व को अधिक संतुलित और सकारात्मक बनाना है।

यह पहल इसलिए है महत्वपूर्ण: गर्भ संस्कार कोई अंधविश्वास नहीं, बल्कि विज्ञान से प्रमाणित एक समग्र जीवन पद्धति है। आधुनिक विज्ञान अब यह स्वीकार कर रहा है कि गर्भ में ही जीवन की दिशा तय होती है। मां का मन ही पहला विद्यालय है।

संस्कारित गर्भ: स्वस्थ समाज। यदि हम भविष्य बदलना चाहते हैं, तो हमें गर्भ से ही शुरुआत करनी होगी। आज के तनावपूर्ण और तेज जीवनशैली में गर्भवती महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर संक्रमित प्रभाव पड़ रहा है। जिसके कारण प्री मेच्योर बेबी, आटिज्म का बढ़ता ग्राफ, उग्र और हिंसक प्रवृत्ति का बढ़ता प्रभाव, अल्प आयु में मृत्यु, इमोशनल ट्रामा इत्यादि देखने को मिल रहा है इसी को ध्यान में रखते हुए यह पहल मातृत्व को तनावमुक्त, आनंदमय और सकारात्मक बनाने पर केंद्रित है। डॉ आर एच लता के नेतृत्व में चल रहे इस अभियान का उद्देश्य केवल शिशु के जन्म तक सीमित नहीं, बल्कि एक स्वस्थ, संवेदनशील और संस्कारित पीढ़ी का निर्माण करना है, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सके और राष्ट्र को श्रेष्ठ बनाने में सहयोग कर सकें। इस अभिनव प्रयास का नेतृत्व डॉ आर एच लता जो भारतीय योगिनी संघ की राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, संघ के दिल्ली, गुजरात और महाराष्ट्र चैप्टर संयुक्त रूप से करेंगे जिसका मुख्य नेतृत्व गुजरात गांधीनगर की जिला अध्यक्ष श्रीमती हेमलता बेन करेंगी। यह पहल के.सी. सुदर्शन की प्रेरणादायी सोच से प्रेरित है, जिसे अब व्यवहारिक रूप देने का कार्य किया जा रहा है। भारतीय योगिनी संघ की यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इनका कहना है...

बच्चे राष्ट्र की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी होते हैं। यदि बचपन सही दिशा, संस्कार और अवसरों के साथ विकसित होता है, तो वही आगे चलकर एक सशक्त, संवेदनशील और जागरूक समाज का निर्माण करता है। मूल शुद्ध होगा तो शुद्ध भी मंगलकारी होता है । उसका प्रभाव पूरे समाज और आने वाली पीढ़ियों पर दिखाई देता है।

❑ डॉ आर एच लता,
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय योगिनी महासंघ

शहडोल जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक हुई

कार्यों के पूर्ण होने से जिले तो मिलेगी रफ्तार

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि जिले में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित निर्माणाधीन विकास कार्यों में तेजी लाकर उन्हें समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा स्वीकृत विकास कार्यों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करना अत्यंत आवश्यक है। उक्त निर्देश उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री शुक्ल ने सर्किट हाउस बाणसागर में आयोजित जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में विभागीय अधिकारियों को दिए।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने शहडोल- उमरिया मार्ग, ब्यौहारी के विजयसोता पूल निर्माण में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शहडोल- उमरिया मार्ग, ब्यौहारी के विजयसोता पूल, भन्नी सिंचाई परियोजना जैसे अन्य महत्वपूर्ण विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कलेक्टर समय-सीमा की बैठक में अनिवार्य रूप से करें एवं जल्द से जल्द पूर्ण कर आमजन को उन सुविधाओं का लाभ दिलाए।

उज्जैन में शाम-ए-मौसीकी का आयोजन 11 मई को

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, म.प्र. संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा सूफी सम्मेलन के तहत शाम-ए-मौसीकी-गजलों एवं सूफी कलाम की सांगीतिक प्रस्तुति का आयोजन 11 मई, शाम 7 बजे से अभिरंग नाट्?यगृह, कालिदास संस्कृत अकादमी, यूनिवर्सिटी रोड, उज्जैन में होगा। उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने बताया कि मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद द्वारा आयोजित 'शाम-ए-मौसीकी' केवल एक सांगीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी साझा तहजीब, सूफी परंपरा और गजल की रूहानी विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का एक प्रयास है। सूफी कलाम इंसानियत, मोहब्बत और आपसी भाईचारे का संदेश देता है, और संगीत उसकी सबसे प्रभावशाली अभिव्यक्ति है। हमें प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद द्वारा उज्जैन जैसे सांस्कृतिक नगर में यह आयोजन हो रहा है, जहाँ कला और अध्यात्म की समृद्ध परंपरा रही है।

भारत भवन में तीन दिवसीय समारोह का शुभारंभ

प्रणाम उदन्त मार्त्तण्ड पत्रकारिता का नरेटिव हिंदुस्तानियों के हित के लिए ही होना चाहिए

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

हिंदी पत्रकारिता के 200 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारत भवन में तीन दिवसीय विशेष आयोजन 'प्रणाम उदन्त मार्त्तण्ड' का भव्य शुभारंभ हुआ। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय और वीर भारत न्यास द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के पहले दिन देश भर के प्रख्यात पत्रकारों और विद्वानों ने शिरकत की।

मुख्य वक्ता उ.प्र. के अयोध्या के आचार्य मिथिलेश नन्दिनीशरण ने 'उत्तिष्ठ भारत' सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि पंडित युगलकिशोर शुक्ल ने 200 वर्ष पूर्व 'हिंदुस्तानियों के हित के हेत' लिखकर पत्रकारिता का जो नरेटिव तय किया था, वह आज भी शाश्वत् है। उन्होंने पत्रकारिता को समाज का 'तत्वज्ञ वैद्य' बताया जो समाज की नाड़ी पहचानता है। आचार्य ने सामाजिक मूल्यों पर बल देते हुए कहा कि परिवार ही व्यक्तित्व निर्माण की सबसे मजबूत प्रयोगशाला है और संबंधों को तर्क से नहीं, बल्कि निभाने के भाव से सींचा जाना चाहिए।

मंत्री राजपूत से मप्र कुशवहा समाज कल्याण के नव नियुक्त अध्यक्ष पटेल ने की भेंट

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल

समाज उत्थान, शिक्षा, युवाओं के भविष्य और संगठन विस्तार को लेकर हुई विस्तृत चर्चा

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के निज निवास 'मातेश्वरी' पर मध्य प्रदेश कुश समाज कल्याण के नव नियुक्त अध्यक्ष प्रभुदयाल पटेल ने अपने साथियों सहित सौजन्य भेंट कर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर समाज हित, संगठन सशक्तिकरण तथा युवाओं के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। भेंट के दौरान प्रभुदयाल पटेल ने मंत्री राजपूत को संगठन की भावी योजनाओं, समाज के उत्थान हेतु किए जा रहे प्रयासों तथा प्रदेशभर में समाज को संगठित करने की कार्ययोजना से अवगत कराया। वहीं मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने समाज के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा, सामाजिक एकता और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

समाज की एकता और शिक्षा पर दिया विशेष जोर- मंत्री राजपूत ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति का आधार शिक्षा, संगठन और सामाजिक समरसता होती है। समाज के युवाओं को आधुनिक शिक्षा, तकनीकी ज्ञान और रोजगारोन्मुखी अवसरों से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सभी वर्गों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और समाज के उत्थान के लिए सकारात्मक पहल लगातार जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी से समाज में जागरूकता बढ़ती है तथा नई पीढ़ी को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। मंत्री राजपूत ने नव नियुक्त अध्यक्ष प्रभुदयाल पटेल को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

समाज हित के मुद्दों पर हुई सार्थक चर्चा

बैठक के दौरान समाज के विद्यार्थियों के लिए बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं, युवाओं के कौशल विकास, सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन, संगठन विस्तार तथा समाज के जरूरतमंद लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई। प्रभुदयाल पटेल ने कहा कि समाज के सहयोग और वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन से संगठन को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा तथा समाज के हर वर्ग को साथ लेकर कार्य किया जाएगा।

कार्यकर्ताओं और समाजजनों में उत्साह- मंत्री निवास पर हुई इस सौजन्य भेंट के दौरान समाज के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। उपस्थित लोगों ने मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के समाज हितैषी दृष्टिकोण और सहयोगात्मक भावना की सराहना की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजन एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सौर संयंत्र स्थापना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वेंडर होंगे सम्मानित

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अद्वितीय कार्य किया जा रहा है। सरकार 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली' योजना अंतर्गत घरों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का कार्य प्रतिबद्धतापूर्वक कर रही है। प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम अमनबीर सिंह बैंस ने बताया है कि निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सौर संयंत्र स्थापना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वेंडरों को सम्मानित किया जाएगा। एमडी बैंस ने कहा कि जो वेंडर अपना कार्य ठीक प्रकार से नहीं करेंगे, उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। एमडी बैंस ने विगत दिनों भोपाल मुख्यालय में प्रगति की समीक्षा कर सभी वेंडर्स कार्य में आने वाली दिक्कतों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बताया कि कार्य क्षेत्र में आने वाली सभी समस्याओं का समय रहते समाधान किया जाएगा जिससे कि सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को समय सीमा में हासिल किया जा सके।